Page Three Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

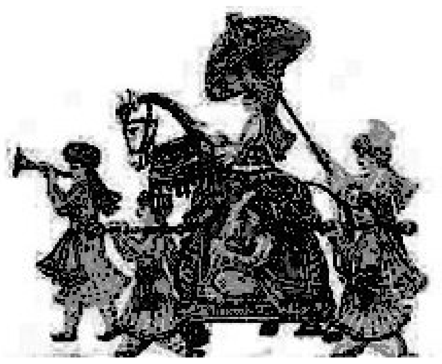

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

बुकिंग हो रही है मगर परेशानी कम होने का नहीं ले रही है नाम

दिक्कतें

खस्ताहाल सड़क ने पर्यटक आवास गृह के मालिकों के साथ पर्यटकों को डाल रखा है बेचैनी में

मुंसयारी में पचास फीसदी होटल और होम स्टे आने वाले दिसंबर तक बुक हो चुके बुक

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट।

पिथौरागढ़। वर्तमान में सीमांत के मुंसयारी के पर्यटकों के आवास गृह में पर्यटकों की बुकिंग जोरों पर चल रही है। मुंसयारी में पचास फीसदी होटल और होम स्टे आने वाले दिसंबर तक बुक हो चुके है। हालात यह है कि कोविड काल की मार से जहां गतवर्ष सीमांत में पर्यटन कारोबार प्रभावित हुआ था वही मुंसयारी घुमने के लिए आने वाले दूर दराज के पर्यटक सीमांत के होटल स्वामियों के सड़क की खस्ताहाल स्थिति को लेकर रोजाना पूछताछ कर रहे है।

सीमांत में आये दिन मौसम के खराब होने से सड़कों की स्थिति

बेहद खराब होने के कारण एक बार फिर स्थानीय होम स्टे संचालकों व पर्यटक आवास गृह के संचालकों साथ ही पर्यटकों की परेशानी अब बेचैनी में बदल गई है। सड़क की हालत खराब होने से सीमांत में पर्यटकों की आवाजाही पर खासा ब्रेक लगने के आसार नजर आने लगे है। जहां कई स्थानों पर सड़कों की खस्ताहाल स्थिति वर्तमान में खासतौर पर पर्यटकों के लिए चिंता का विषय बन चुकी है। वही ऐसे में सीमांत के होटल स्वामियों के चेहरे में मायूसी के बादल छाये है। सीमांत का थल मुंसयारी सड़क मार्ग खस्ताहाल होने से पर्यटकों की आवाजाही पर अब संशय की मार पड़ रही है।

सीमांत में आ रहे कुछ पर्यटक तो थल मुंसयारी जो कि खस्ताहाल हो चुकी है के बीच सड़क में अपने वाहनों को धक्का देते हुए साफ देखे जा सकते है। इन पर्यटकों ने सीमांत के लोनवि से इस सड़क को जल्द से जल्द ठीक कराये जाने की मांग कर डाली है। तीन माह तक सीमांत में जहां पर्यटन कारोबार चलेगा वही ऐसे में थल मुंसयारी सड़क मार्ग की खस्ताहाल स्थिति यहां के पर्यटन कारोबार में कही खलल न डाल दे। वही ऐसे में होम स्टे संचालक व पर्यटक आवास ग्रहों के संचालाकों की मुश्किलें बढ़ना स्वाभाविक लग रहा है।

न्यूज डायरी :

लखीमपुर खीरी की घटना पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रखा उपवास

संवाददाता ऋषिकेश। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में की घटना पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उपवास रखा। कार्यकर्त्ताओं ने त्रिवेणी घाट गांधी स्तंभ पर काली पट्टी बांधकर मौन व्रत रखा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य जयेंद्र रमोला ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार जनता की सुध नहीं लेती है। जहां एक ओर देश का किसान कई महीनों से आंदोलनरत है वहीं लखीमपुर खीरी की घटना का विरोध किया। उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद भी केंद्र सरकार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। महानगर कार्यकारी अध्यक्ष सुधीर राय व सोशल मीडिया सेल के प्रदेश महासचिव दीपक जाटव ने कहा कि लखीमपुर खीरी घटना की जांच होनी चाहिए।

9 अक्टूबर को आयोजित होगा फ्लो बाजार

संवाददाता देहरादून। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की महिला विंग, फिक्की फ्लो के उत्तराखंड चैप्टर ने आज आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में वार्षिक फ्लो बाजार के 5वें संस्करण की घोषणा करी। यह लाइफस्टाइल और फैशन प्रदर्शनी सह व्यापार मेला 9 अक्टूबर को होटल मधुबन में सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक आयोजित किया जाएगा। मीडिया को सूचित करते हुए, फ्लो उत्तराखंड चैप्टर की अध्यक्ष, कोमल बत्रा ने कहा, "कोरोना महामारी के कारण लंबे समय तक रुकने के बाद हम फ्लो बाजार के 5वें संस्करण की मेजबानी करने के लिए बहुत उत्साहित हैं। अपनी तरह के इस अनूठे शॉपिंग शो में पूरे उत्तर भारत के उद्यमी अपने कलेक्शन का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने आगे कहा, इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य उद्यमियों को एक छत के नीचे लाकर उनका विकास करना और उन्हें बढ़ावा देना है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने नया लीजेन्डर 4X4 रूपांतर पेश किया

संवाददाता देहरादून। हमेशा बेहतर कारें"बनाने के टोयोटा के दर्शन के क्रम में, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज अपने बेहद सफल एसयूवी लीजेन्डर का एक नया 4X4 रूपांतर पेश किया। लीजेन्डर को सबसे पहले जनवरी 2021 में 4X2 डीजल रूपांतर में नए टोयोटा फॉरच्यूनर के साथ पेश किया गया था। प्रदर्शन के उत्साहियों के साथ–साथ लक्जरी एसयूवी तलाशने वालों के लिए लीजेन्डर"पावर्ड इन स्टाइल" की अनूठी स्थिति में है। इसके निर्भीक अनुपात जीवन में अलग करने वाले पहलू लाते हैं जो इसे कूल और भविष्य उन्मुख बनाते हैं। कोने पर लिपटे हुए कैटामारन एलीमेन्ट्स एक मजबूत वर्टिकल प्रोमिनेंस तैयार करते हैं और विस्तृत उपस्थिति सुनिश्चित करते हैं।

पीएम को चुनावी वर्ष में याद आया उत्तराखण्ड: रविंद्र सिंह आनंद'

संवाददाता देहरादून। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रविंद्र सिंह आनंद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र सिंह मोदी का उत्तराखंड में स्वागत करते हुए कहा कि साढ़े चार साल तक क्यों प्रधानमंत्री जी ने रूख नहीं किया। अब जबकि चुनाव सर पर है और उनको लग रहा है कि भाजपा की सियासी जमीन खिसकने वाली है तो उनको उत्तराखण्ड की जनता की याद आई है।

बताते चलें कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र सिंह मोदी उत्तराखण्ड दौरे पर थे जहां उन्होंने जनता को संबोधित भी किया। आप प्रवक्ता रविंद्र सिंह आनंद का कहना है कि अब जबकि चुनाव सर पर है और जनता ने भाजपा को सिरे से नकार दिया है, मोदी जी को भी उत्तराखण्ड में सियासी जमीन खिसकती हुई दिखाई दे रही है तो मोदी जी को उत्तराखण्ड की याद आई है। पौने पांच साल तक क्यों उनको उत्तराखण्ड की जनता की कोई सुध नहीं थी। जबकि 2017 के चुनावी रैली में एक स्थिर सरकार देने का वादा किया था तब भी तीन तीन चेहरे बदल कर भाजपा ने जनता को छलने का काम किया है। एक के बाद एक जनता पर मुख्यमंत्री थोपे गए। भाजपा की असलियत इन पौने पांच साल में जनता के सामने आ गई है। रविंद्र आनंद ने कहा कि यदि मोदी जी अपने इस दौरे को चुनाव के मददेनजर रखते हुए कोई चुनावी फायदा लेना चाहते है तो वह अब मुमकिन नहीं है। जनता सब जानती है और समझती है कि जिन पीएम ने उनकी पौने पांच साल कोई सुध नहीं ली।

पीएम को ज्ञापन देने जा रही कांग्रेस नेत्री को पुलिस ने हिरासत में लिया

संवाददाता देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को उत्तराखंड दौरे पर थे। इस दौरान पीएम ने ऋषिकेश के एम्स में नवनिर्मित 1000 लीटर क्षमता की ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन किया। उनके दौरे पर कांग्रेस नेत्री आशा मनोरमा डोबरियाल ने जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचकर उन्हें ज्ञापन प्रेषित करने का निर्णय लिया था। लेकिन पुलिस ने जोगीवाला में उन्हे और अन्य कार्यकर्ताओ को रोक लिया और उन्हें हिरासत में ले लिया। बता दें कि, कांग्रेस नेत्री आशा मनोरमा डोबरियाल अपने समर्थकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लखीमपुर खीरी हत्याकांड के विरोध में और उनकी चुप्पी तोड़ने व प्रियंका गांधी सहित कांग्रेसी नेताओं के खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लिए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपने अपने निवास अजबपुर से जौलीग्रांट जाने की कोशिश कर रही थीं।

महिला कांग्रेस ने प्रधानमंत्री से मांगा जवाब और हिसाब

संवाददाता देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराखंड दौरे का कांग्रेस ने विरोध किया है। गुरुवार को महानगर महिला कांग्रेस से जुड़ी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराखंड आगमन पर जवाब दो–हिसाब दो नारे के बीच गांधी पार्क के गेट पर सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया। महिलाओं ने सिर पर काली पट्टी बांधकर पीएम मोदी के उत्तराखंड दौरे का विरोध जताया।

प्रदर्शन के दौरान महिलाओं का कहना था कि साल 2014 और 2017 में प्रधानमंत्री मोदी ने प्रदेश की जनता से महंगाई कम करने, किसानों के कर्ज माफी, बेरोजगारों को रोजगार दिए जाने,

महिला सुरक्षा जैसे तमाम वादे किए थे। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इनमें से एक भी वादा पूरा नहीं किया। आज तक देश और प्रदेश की जनता को इन सब सवालों के जवाब नहीं मिले हैं।

महिला महानगर कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश रमन का कहना है कि इसलिए आज जवाब दो–हिसाब दो के तहत महिला कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी के ऋषिकेश दौरे का विरोध कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासनकाल में किसानों को कुचला जा रहा है और सरकार अपने मंत्री के बेटे को बचाने में लगी हुई है। कमलेश रमन का कहना है कि आज केंद्र सरकार की शह पर किसानों के आंदोलन को खत्म करने की साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हर बात पर ट्वीट कर सकते हैं, लेकिन किसानों की मौत पर उन्होंने संवेदना व्यक्त करना भी उचित नहीं समझा है।

वहीं, प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस की प्रदेश प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह ने भी सरकार पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेश की जनता से डबल इंजन की सरकार आने पर विकास की बयार आने का वादा किया था।

नवरात्रों में व्रत करें या न करें?

संवाददाता देहरादून। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के संस्थापक एवं संचालक आशुतोष महाराज का कहना है कि भारत में शक्तिपूजन की कई विद्याएँ हैं, जो श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था के आधार पर निर्मित की हैं। इनमें से एक है, आदि शक्ति के पूजन–दिवसों यानी नवरात्रों में किए जाने वाले व्रत! 'व्रत' का सामान्य अर्थ है– संकल्प युक्त निश्चय। नवरात्रों के नौ दिनों में व्रत का मतलब है– तामसिक–राजसिक को त्याग कर सात्विक आहार–विहार–व्यवहार अपना कर आदि–शक्ति की आराधना का संकल्प। चूँकि शक्ति पूजन का अवसर वर्ष में दो बार आता है, इसलिए यह सोचने का विषय है कि क्यों इन्हीं दिनों में अन्न त्याग कर फलाहार या अन्य सात्विक खाद्य पदार्थों को ग्रहण किया जाता है? पहली नवरात्रि चैत्र मास में तथा दूसरी अश्विन मास में आती है। ये दोनों वे बेलाएँ हैं, जब दो ऋतुओं का संधिकाल होता है। ऋतुओं के संधिकाल में बीमारियाँ होने की संभावना काफी बढ़ जाती है।